भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 6395

उत्तर देने की तारीख : 02.04.2026

गैस आधारित एमएसएमई क्लस्टरों को बढ़ावा देना

6395. श्री वामसि कृष्णा गद्दाम :

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का तेलंगाना के पेद्दापल्ली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में, विशेषकर मल्लावरम-भोपाल-भीलवाड़ा-विजयपुर गैस पाइपलाइन (एमबीबीवीपीएल) के माध्यम से प्राकृतिक गैस की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, गैस-आधारित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्लस्टरों के विकास को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है; यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त निर्वाचन क्षेत्र में क्लस्टर-आधारित विकास के लिए इंजीनियरिंग फैब्रिकेशन, सिरेमिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-प्रसंस्करण तथा संबद्ध उद्योगों जैसे संभावित क्षेत्रों की पहचान हेतु कोई व्यवहार्यता अध्ययन अथवा आकलन किया गया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) गैस से जुड़े क्षेत्रों में नई एमएसएमई इकाइयों की स्थापना तथा मौजूदा उद्यमों के आधुनिकीकरण को सुगम बनाने हेतु सरकार की योजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध क्लस्टर विकास सहायता, अवसंरचना समर्थन और योजना-आधारित प्रोत्साहनों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) पेद्दापल्ली में एमएसएमई क्लस्टर विकास को भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण, विनिर्माण वृद्धि के उद्देश्यों तथा औद्योगिक प्रदूषण में कमी के साथ संरेखित करने हेतु क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) से (घ) : मंत्रालय की सूक्ष्म और लघु उद्यम-क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एमएसई-सीडीपी) स्कीम का उद्देश्य सामान्य सुविधा केंद्रों (सीएफसी) की स्थापना करना और नए/मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों/संपदाओं/फ्लैटेड फैक्ट्री परिसरों में अवसंरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण/उन्नयन करना और इसके साथ-साथ वित्तीय सहायता द्वारा मौजूदा क्लस्टर में सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। यह एक मांग आधारित केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम है, जहां राज्य सरकारें उनके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में मौजूदा क्लस्टर की सामान्य आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्ताव प्रेषित करती है। गैस-आधारित एमएसएमई क्लस्टर के संवर्धन के लिए तेलंगाना राज्य सरकार से इस मंत्रालय को कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

******